मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha365@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2020-22 /R.N.I. No. 2022007062

हाड़-कंपाऊ ठण्ड में लाखों लोग राशन कार्ड की लाइन मे 2
विज के आश्वासन पर चौटाला गांव के लोगों ने खत्म किया धरना 4
जनगणना में जाति को शामिल करना क्यों समाज के हक में है? 5
अनियंत्रित विकास का दुष्परिणाम है जोशीमठ त्रासदी 6
बाटा चौक के ग़रीब रोज़ी-रोटी की लड़ाई लड़ रहे हैं 8

वर्ष 37 | अंक 9 | फरीदाबाद | 15-21 जनवरी 2023 | फोन-8851091460 | ₹ 5.00

झूठ बोलने में माहिर संघ प्रशिक्षित खट्टर ने राशन से वंचित करने के लिए झूठे दस्तावेज भी तैयार करा दिए

हाड़-कंपाऊ ठण्ड में लाखों लोग राशन कार्ड की लाइन में लगने को मज़बूर

सत्यवीर सिंह

5 जनवरी, सुबह 11 बजे, कंपा देने वाली तीखी शीत लहर के बीच, डबुआ कॉलोनी निवासी, सरोज, शाल लपेटे, लघु सचिवालय, सेक्टर 12 फ़रीदाबाद के ग्राउंड फ्लोर पर, समाज कल्याण विभाग के कंप्यूटर सेक्शन के बाहर लगी लम्बी लाइन में, उस स्थान पर खड़ी थीं कि शाम 6 बजे तक भी उनका नंबर नहीं आने वाला. 'आपका नंबर तो आज नहीं आने वाला?', सवाल का ये जवाब मिला, 'कोई बात नहीं, मैं घर जाऊँगी, इनसे बात करके ही. मैं राशन कार्ड ठीक नहीं कराने वाली. मैं तो ये कहने वाली हूँ कि आप तो मुझे साल के 2,85,000 रुपये दे दो, और अपना राशन कार्ड तुम्हीं रख लो. मुझे तुम्हारा ये सड़ा हुआ राशन चाहिए ही नहीं. मैं, बाज़ार में लाला की दुकान से ले लूंगी!! मेरा आदमी सेक्टर 24 की फैक्ट्री में काम करता है. महीने में 10,000 से ज्यादा कभी नहीं मिले. कमबख्तों ने मेरे नाम पर 70,000/ , बेटे के नाम पर जो दसवीं में पढ़ रहा है, बेटी के नाम पर, बुड्ढों के नाम पर पता नहीं क्या-क्या लिख रक्खा है!! कहते हैं, तुम्हारी इनकम 2,85,000 हो गई, अब तुम्हारा राशन कार्ड रद्द होगा!!'

मिनी सचिवालय में लगी लोगों की भीड़

परेशान होने वाली, सरोज अकेली नहीं हैं. हरियाणा सरकार ने इस साल, अपने राज्य के ग़रीब लोगों को 'नए साल की मुबारकबाद' कुछ अलग ही अंदाज़ में दी है. 'आपकी आय ग़रीबी रेखा की निर्धारित सीमा 1,80,000 रु की सीमा लाँघ चुकी है. 1 जनवरी 2023 के बाद आपको राशन नहीं मिलेगा', ऐसे क्रूर सन्देश, लाखों लोगों के मोबाइल पर आने शुरू हो गए. ठण्ड से कांपते, गुस्से में तिलमिलाए लोगों के सामने, डी सी ऑफिस पर, लाइन लगाने के आलावा चारा नहीं बचा. जहाँ सामान्य दिनों में भी काम करने को पर्याप्त स्टाफ नहीं रहता, अक्सर सर्वर डाउन रहता है या कनेक्टिविटी नहीं रहती, ठीक वैसी ही लाइनें लग गई हैं जैसी नोटबंदी के दिनों में बैंकों के सामने लगी थीं. इस संवेदनहीन, अमानवीय शॉक ट्रीटमेंट के लिए इससे मुश्किल वक़्त नहीं चुना जा सकता था.

ग़रीबों की ग़रीबी का मखौल उड़ाने वाले, हरियाणा प्रशासन के इस अमानवीय क़दम की एक बानगी और देखिए. बाबूलाल, मज़दूर बस्ती आज़ाद नगर में एक छोटी सी दुकान चलाकर, किसी तरह अपने परिवार का पेट पालते हैं. पिछले 15 साल से भी अधिक समय से उनके पास बीपीएल कार्ड है. 1 जनवरी को, नए साल के सरकारी 'तोहफ़े' के रूप में, उन्हें मोबाइल पर ये संदेश प्राप्त हुआ:

"प्रिय लाभार्थी, परिवार पहचान पत्र संख्या 1TPH1261 के आधार पर आप गरीब परिवार (पीला) श्रेणी के लिए अपात्र पाये गये है। आपका राशन कार्ड रद्द कर दिया गया है। इस सम्बन्ध में किसी समस्या/शिकायत के निवारण हेतू आप http://grievance.edisha.gov.in व हैल्पलाईन नं 0172-3968400 पर जाकर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते है। हरियाणा सरकार". पढ़कर 'प्रिय लाभार्थी हिल गए!! दुकान वही, ग्राहक वही, जगह वही, मैं वही; अचानक कागज़ों में धन-वर्षा कैसे हुई!! जबकि, इस बीच 1 जनवरी, 2013 से, ग़रीबी रेखा निर्धारित करने वाली आय की सीमा रु 1,20,000 से बढाकर 1,80,000 प्रति वर्ष हो गई है. दो साल पहले हरियाणा सरकार ने फैमिली कार्ड बनाए थे, उसके अनुसार भी, उनकी वार्षिक आय रु 96,000 ही थी. 'हरियाणा परिवार पहचान पत्र' (Citizen Resource Information Department, CRID) ने दिनांक 31.12.2022 को बाबूलाल जी को उनकी परिवार आई डी ITPH1261 का सन्दर्भ देते हुए, उनके परिवार की वार्षिक आय का ब्यौरा इस तरह बताया: अमित पुत्र बाबूलाल, व्यवसाय-विद्यार्थी, आयु 19 वर्ष, आय-25,000 से 50,000; रीमा पुत्री बाबूलाल,

शेष पेज दो पर

बलात्कार के दो आरोपों में लिप्त फार्मासिस्ट की पदोन्नति के विरुद्ध प्रधानमंत्री को शिकायत

स्वास्थ्य मंत्री विज के सहायक भारद्वाज पर मिलीभगत का आरोप

फ़रीदाबाद (म.मो.) राज्य भर की सवास्थ्य सेवाओं का बेड़ा गर्क होने के कारणों को समझने के लिये स्थानीय बीके अस्पताल में चल रही भारी अव्यवस्थाओं को देखना जरूरी है। राजनीतिक प्रश्रय के चलते इस अस्पताल में न तो कोई व्यवस्था है और न ही कोई अनुशासन।

नलिनी नामक महिला द्वारा प्रधानमंत्री को लिखी गई एक शिकायत 16 दिसम्बर 2022 को हरियाणा सरकार के पास जांच हेतु पहुंची है। अपनी शिकायत में महिला ने बीके अस्पताल के चीफ़ फार्मासिस्ट वीरेन्द्र सांगवान तथा स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के निजी सहायक कृष्ण भारद्वाज के विरुद्ध अति गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में कहा गया है कि वीरेन्द्र सांगवान ने ईएसआई अस्पताल सेक्टर आठ में अपनी तैनाती के दौरान एक महिला से बलात्कार किया था। पीड़िता ने इस पर थाना सेक्टर सात में मुकदमा दर्ज कराया था। लेकिन वीरेन्द्र ने अपने तथाकथित चाचा जेपीएस सांगवान सेवा निवृत आईएएस तथा तत्कालीन डिप्टी लेबर कमिश्नर मनोरमा राणा के सहयोग से मामले को दबवा दिया। पीड़िता का पति जिस फैक्ट्री में नौकरी करता था वहां मनोरमा राणा ने दबाव डालकर पीड़िता को चुप करा दिया था। यद्यपि यह अपराध कम्पाऊंडेबल नहीं था फ़िर भी उक्त दबावों के चलते दबा दिया गया।

विज के संरक्षण में सांगवान तो फिर डर काहे का

इसके बाद वीरेन्द्र का तबादला सीविल अस्पताल बल्लबगढ़ हो गया। वहां फ़िर इसने अपने आधीन ट्रेनिंग कर रही भारती नामक एक युवती से बलात्कार कर डाला, इसका मुकदमा थाना शहर बल्लबगढ में दर्ज हुआ था। सारा मामला कई दिनों तक मीडिया की सुर्खियों में बना रहा। इस बार फ़िर वीरेन्द्र ने अपने उन्ही चाचा जेपीएस सांगवान का सहारा लिया। इस बार जेपीएस ने अपने ससुर जो हुड्डा खाप के कोषाध्यक्ष थे, का सहारा लेकर मामले को निपटाया। शिकायत में बताया गया है कि पीड़िता को सात लाख नकद व पक्की सरकारी नौकरी दिला कर समझौता किया गया था।

ऐसे 'गुणवान' एवं बलात्कारी व्यक्ति को चीफ फार्मासिस्ट बनाने के लिये 18 वरिष्ठ फार्मास्टिों को इग्नोर किया गया। इस खेल में स्वास्थ्य मंत्री विज के निजी सहायक कृष्ण भारद्वाज की मुख्य भूमिका रही है। इसके लिये, नलिनी की शिकायत के अनुसार उन्होंने चार लाख रुपये सांगवान से वसूले थे, जिसकी कि अब जांच की जा रही है। यूं भी भारद्वाज पर रिश्वत लेकर तबादले एवं नियुक्तियां कराने

शेष पेज दो पर